सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम - स्त्री सशक्तिकरण एवं विकास में डिप्लोमा

डी.डब्ल्यू.ई.डी.

2015–2016

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

: पता :
दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र)
फोन / फैक्स नं. : 07152–247146 वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

शंभू जोशी
सहायक प्रोफेसर

डी.डब्ल्यू.ई.डी. सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में खण्ड-अ और खण्ड-ब हैं। खण्ड-अ में तीन प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 18 हैं और खण्ड-ब में 6 प्रश्न हैं और अधिकतम अंक 12 हैं। आपको सभी प्रश्न करने हैं। खण्ड-अ के प्रश्नों का उत्तर 800 से 1000 शब्दों में और खण्ड-ब के प्रश्नों का उत्तर 200 से 300 शब्दों में देना हैं।

सत्रीय कार्यो को आप **"निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय"** वर्धा में जमा कराएँ तथा आप अपने पास सत्रीय कार्यो की एक फोटोप्रति अनिवार्य रूप से रखें।

प्रस्तुतीकरण :-

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यो के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छदों में स्पष्ट संबंध हो, और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्दसीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

(कार्यक्रम संयोजक)

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : -------------------------------------

नाम : --

पता : --

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ---------------------------- -------------------------

सत्रीय कार्य कोड : --------------------------------- दिनांक : ------------------

----

उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

3) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें। हर प्रश्न का उत्तर नए पृष्ठ से दें।
4) अपनी लिखावट में उत्तर दें।
5) सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए ***निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र)*** ***के*** *दिनांक 12अप्रेल 2016 तक प्राप्त होगा इस हेतु से* भेज दें। भेजने वाले लिफाफे के ऊपर ***"सत्रीय कार्यडीडब्ल्यूईडी "*** अवश्य लिखें।

प्रश्न पत्र – एक

<u>जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य</u>

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. प्रौढ़ अधिगम को कैसे सुगम बनाया जा सकता है ?

प्रश्न 2. विभिन्न पी.आर.ए. तकनीकें बताइए।

प्रश्न 3. जेंडर परिप्रेक्ष्य से मीडिया का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड – ब

अधिकतम अंक : 12

नोट – लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. प्रशिक्षण के माध्यम से मनोवृत्ति परिवर्तन को बढ़ावा कैसे मिलता है?
प्रश्न 5. पारंपरिक प्रशिक्षण और सहभागितापरक प्रशिक्षण में अंतर बताइए।
प्रश्न 6. स्वॉट (SWOT) विश्लेषण क्या है?
प्रश्न 7. ज्ञान दर्शन पर टिप्पणी लिखिए।
प्रश्न 8. प्रशिक्षण रूपरेखा क्या है ?
प्रश्न 9. रोचक रिपोर्ट लेखन से जुड़ी जरूरी बातें बताइए।

प्रश्न पत्र – दो

स्त्री सशक्तिकरण की रणनीतियां

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. स्त्री अधीनीकरण के सैद्धांतिक आधारों को बताइए।
प्रश्न 2. साक्षरता और स्त्री सशक्तिकरण पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 3. समाख्या कार्यक्रम को सविस्तार बताइए।

खण्ड – ब

अधिकतम अंक : 12

नोट – लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. मार्क्सवादी नारीवाद पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 5. स्त्री सशक्तिकरण के गुणात्मक संकेतकों को बताइए।

प्रश्न 6. अन्नपूर्णा महिला मंडल के दस नियमों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 7. निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की उपलब्धियों को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 8. स्वास्थ्य में स्त्री-पुरूष भेदभाव को बताइए।

प्रश्न 9. हिंदू विवाह अधिनियम,1955 का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न पत्र - तीन

स्त्री और विकास

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. प्रौद्योगिकी और स्त्री के अन्तर्संबंधों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2. बदलती सामाजिक संस्थाओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा और संचार माध्यमों की भूमिका बताइए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. विकास के बदलते परिप्रेक्ष्य को बताइए।

प्रश्न 5. क्या आप सोचते हैं कि राज्य की विकास नीतियां जेंडर दृष्टिकोण से तटस्थ हैं?

प्रश्न 6. सहभागी विकास को समझाइए।

प्रश्न 7. स्त्रियां पर्यावरण की रक्षा किस प्रकार करती हैं?

प्रश्न 8. भूमि सुधार की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. कुपोषण के दुष्चक्र को बताइए।

प्रश्न पत्र – चार

ऋण और वित्त

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. लघु वित्त और निर्धनता में गिरावट के अन्तर्सबंधों को बताइए।

प्रश्न 2. स्व-सहायता समूह और बैंक अनुबंधन के तीन मॉडलों/प्रतिरूपों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. स्व-सहायता समूहों की वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड – ब

अधिकतम अंक : 12

नोट – लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. नाबार्ड लघु वित्त कार्यनीति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. सहायताकर्ता की जिम्मेदारियां क्या है?

प्रश्न 6. अनिवार्य जमा/बचत का अर्थ समझाइए।

प्रश्न 7. लेखाकरण(अकाउंटिंग) के लाभ बताइए।

प्रश्न 8. स्व-सहायता समूहों के विकास की छ अवस्थाओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 9. राष्ट्रीय महिला कोष के उद्देश्य बताइए।

प्रश्न पत्र - पांच
कार्य और उद्यमशीलता

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. महिलाओं के कार्य को स्पष्ट रूप से उजागर करने संबंधी मुद्दों को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 2. महिलाओं में उद्यमशीलता विकसित न होने के उत्तरदायी महत्वपूर्ण कारकों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 3. लघु उद्यमों में प्रयुक्त पाँच प्रकार के संसाधनों को बताइए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका बताइए।

प्रश्न 5. अनौपचारिक क्षेत्र की क्या विशेषताएं हैं?

प्रश्न 6. अभिप्रेरण संबंधी कारकों की तीन श्रेणियां बताइए।

प्रश्न 7. स्वॉट विश्लेषण के दोष बताइए।

प्रश्न 8. कामगारों की भर्ती प्रक्रिया में किन चीजों को ध्यान में रखना चाहिए ?

प्रश्न 9. अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी व्यक्तित्व में अंतर बताइए।

प्रश्न पत्र - छह

संगठन और नेतृत्व

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. समूह क्या है? समूह से प्राप्त लाभों को बताइए।

प्रश्न 2. अच्छे एसएचजी उन्मुख कार्यक्रमों की डिजाइन विशेषताएं बताइए।

प्रश्न 3. सात सहकारी सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. एसएचजी विकास में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 5. द्वंद्व के चार चरण बताइए।

प्रश्न 6. सेवा बीमा पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 7. महिला सहकारियों की समस्याएं बताइए।

प्रश्न 8. नेतृत्व प्रशिक्षण के उद्देश्य क्या हैं?

प्रश्न 9. समुदाय नेताओं के निर्णयन के चक्र को समझाइए।

प्रश्न पत्र - सात

महिलाएं और समाज : वैश्विक सरोकार और स्थानीय मुद्दे

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. महिलाओं के मुद्दों पर ध्यान देना क्यों आवश्यक है?

प्रश्न 2. महिलाओं की राजनीतिक भागीदारियों पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3. समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का परिचय दीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 4. पितृसत्ता समाज के क्षेत्रों को कैसे नियंत्रित करती है?

प्रश्न 5. महिला मताधिकार पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 6. कन्या भ्रूण हत्या को रोकने हेतु अपने सुझाव दीजिए।

प्रश्न 7. असंगठित/अनौपचारिक क्षेत्र को बताइए।

प्रश्न 8. राष्ट्रीय महिला आयोग का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न 9. महिला आरक्षण क्यों होना चाहिए ?

****